समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

एम. ए. संस्कृत, प्रथम सत्र

प्रथम पत्र : नाटक तथा काव्य (MSKTC 101) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1000-1500 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment) 1 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 उत्तरामचरित में भवभूति की सफल नाट्यकला पर एक प्रबन्ध लिखिये।

प्र. 2 उत्तररामचरित के प्रकृति चित्रण पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

प्र. 3 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का सप्रसंग सरलार्थ कीजिये-
1.20, 1.35, 1.38, 2.4, 2.26, 3.22, 3.31

प्र. 4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

- नैसर्गिकी सुरभिणः कुसुमस्य सिद्धा मूर्ध्नि स्थितिर्न चरणैरवताडनानि। 1/14
- अपि ग्रावा रोदित्यपि दलति वज्रस्य हृदयम्। 1/28
- सतां सद्भिः संगः कथमपि हि पुण्येन भवति। 2/1
- वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि। 2/7
- शरदिज इव घर्मः केतकीगर्भपत्रम्। 3/5
- एको रसः करुण एव निमित्तभेदाद्विन्नः। 3/47

समनुदेशन(Assignment) 2 **अंक 07** **(3.5X2)**

प्र. 1 भवभूति के कथन 'एको रसः करुण एव' की सोदाहरण समीक्षा कीजिये।

प्र. 2 'उत्तररामचिरते भवभूतिर्विशिष्यते' इस कथन की समीक्षा कीजिये।

प्र. 3 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का सप्रसंग सरलार्थ कीजिये-
4.1, 4.20, 5.6, 5.26, 6.14, 6.34, 7.6

प्र. 4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

- दृष्टे जने प्रेयसि दुःसहानि स्रोतःसहस्रैरिव संप्लवन्ते। 4/8
- गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिंग न च वयः। 4/11
- तेजस्तेजसि शाम्यतु। 5/7
- लतायां पूर्वलूनायां प्रसवस्योद्भवः कुतः। 5/20
- प्रियागुणसहस्त्राणां क्रमोन्मीलनत्तपर:। 6/34
- लोकोत्तरेण सत्वेन प्रजापुण्यैश्च जीवति। 7/7

समनुदेशन (Assignment) 3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 श्रीहर्ष की भाषा-शैली की सोदाहरण विवेचना कीजिये।

प्र. 2 श्रीहर्ष के प्रकृति चित्रण पर एक निबन्ध लिखिये।

प्र. 3 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का सप्रसंग सरलार्थ कीजिये-
1.5, 1.20, 1.32, 1.56, 1.85, 135

प्र. 4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

- वितेनुरङ्गारमिवायशः परे।। 9 ।।
- न शारदः पार्विकशर्वरीश्वरः। 1/20
- नदर्पणः श्वासमलीमसः कृतः। 1/31
- अनङ्ग चिह्नं न विना शशाक नो। 1/55

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत प्रथम सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....